VIDYASAGAR UNIVERSITY

Paschim Midnapore, West Bengal

PROPOSED CURRICULUM & SYLLABUS (DRAFT) OF

BACHELOR OF ARTS (HONOURS)

MAJOR IN HINDI

4-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

(w.e.f. Academic Year 2023-2024)

Based on

Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes

(CCFUP), 2023 & NEP, 2020

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BACHELOR OF ARTS (HONOURS) MAJOR IN HINDI
(under CCFUP, 2023)

Level	YR.	SEM	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
								CA	ESE	TOTAL
BA (Hons.)	2nd				**SEMESTER-III**					
		III	Major-3	HINHMJ03	T: मध्यकालीन हिंदी कविता	4	3-1-0	15	60	75
			Major-4	HINHMJ04	T: हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	3-1-0	15	60	75
			SEC	HINSSEC03	P: सृजनात्मक लेखन (Practical)	3	0-0-3	10	40	50
			AEC	AEC03	Communicative English -2 (***common for all programmes***)	2	2-0-0	10	40	50
			MDC	MDC03	Multidisciplinary Course -3 (***to be chosen from the list***)	3	3-0-0	10	40	50
			Minor -3 (Disc.-I)	HINMIN03	T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा	4	3-1-0	15	60	75
					Semester-III Total	20				375
					SEMESTER-IV					
		IV	Major-5	HINHMJ05	T: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4	3-1-0	15	60	75
			Major-6	HINHMJ06	T: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य	4	3-1-0	15	60	75
			Major-7	HINHMJ07	T: कथा-साहित्य	4	3-1-0	15	60	75
			AEC	AEC04	MIL-2 (***common for all programmes***)	2	2-0-0	10	40	50
			Minor-4 (Disc.-II)	HINMIN04	T: छायावाद	4	3-1-0	15	60	75
			Internship/ Apprent.	INT	**Internship/ Apprenticeship - activities to be decided by the Colleges following the guidelines to be given later**	4	0-0-4	-	-	50
					Semester-IV Total	22				400
					TOTAL of YEAR-2	42				775

MJ = Major, MI = Minor Course, SEC = Skill Enhancement Course, AEC = Ability Enhancement Course, MDC = Multidisciplinary Course, CA= Continuous Assessment, ESE= End Semester Examination, T = Theory, P= Practical, L-T-P = Lecture-Tutorial-Practical, MIL = Modern Indian Language,

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

MAJOR (MJ)

MJ-3: मध्यकालीन हिन्दी कविता **Credits 04**

MJ-3T: मध्यकालीन हिन्दी कविता **Full Marks: 75**

Course Contents:

कबीर : कबीर ग्रंथावाली : श्यामसुन्दर दास , लोकभरती प्रकाशन

पद :

1. चलन चलन सब को कहत है , नाँ जाँननौं बैकुंठ कहाँ है ।
2. माया तजूँ तजी नहीं जाइ , फिर फिर माया मोहि लपटाइ ।
3. मन रे तन कागद का पुतला ।
4. हरि जननी मैं बालिक तेरा , काहे न औगुण बकसहु मेरा ।

दोहे*:*

1. सतगुरु की महिमा अनंत ।
2. ऐसी बाँणी बोलिये , मन का आपा खोइ ।
3. सुखिया सब संसार है , खाये अरू सोवै ।
4. माया तजी तौं का भाया , मानि तजी नहीं जाइ ।

जायसी : नागमती वियोगखण्ड , पद्मावत , सं० वसुदेशरण अग्रवाल

पद :

1. नागमती चितउर पंथ हेरा ।
2. पिउ वियोग अस बाउर जीऊ ।
3. चढ़ा असाढ़ गगन घर गाजा ।
4. पूस जाड़ थरथर तन काँपा ।
5. कुहकि कुहकि जसि कोइलि रोई ।

सूरदास : भ्रमरगीत सार – सं० रामचंद्र शुक्ल

1. आयो घोष बड़ो व्यापारी
2. अखियॉ हरि दरसन को भूखी
3. अलि हो ! कैसे कहाँ
4. निर्गुन कौन देस को बासी
5. उधो ! ब्रज की दशा विचारो

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

तुलसीदास : विनयपत्रिका : तुलसीदास , गीताप्रेस गोरखपुर

1. ऐसी मूढ़ता या मन की ।
2. जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
3. अबलों नसानी अब न नसैहों ।
4. ऐसे को उदार जग माहीं ।
5. जाके प्रिय न राम बैदेही ।

मीराबाई : मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी , वाणी प्रकाशन

1. मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली ।
2. मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती ।
3. चलो मन गंगा जमना तीर ।
4. नहीं ऐसा जनम बांरबार ।
5. मेरे मन राग बसी ।

रहीम : रहीम ग्रंथावली : विद्यानिवास मिश्र , गोविंद रजनीश , वाणी प्रकाशन

1. जाल परे जल जात बहि , तजि मीनन को मोह ।
2. जो रहिमन उत्तम प्रकृति , का करि सकत कुसंग ।
3. धूरि धरत नित सीस पर कहु रहीम केहि काज ।
4. प्रीतम छवि नैनन बसी , पर छवि कहाँ समाय ।
5. माँगें घटत रहीम पद , कितो करा बड़ काम ।
6. रहिमन अँसुवा नयन ढरि जिय दुख प्रगट करेई ।
7. रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल ।
8. रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून ।
9. रहिमन राज सराहिये, ससि सम सुखद जो होई ।
10. सर सूखे पंछी उडै , औरै सरन्ह समाहिं ।

बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास ‘रत्नाकर’ , प्रकाशन संस्थान दरियागंज

1. मेरी भव-बाधा हरौ , राधा नागरि सोइ ।
2. तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान ।
3. कहत, नटत, रीझत, खिझत , मिलत , खिलत , लजियात ।
4. नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल ।
5. मंगल बिन्दु सुरंगु , मुख ससि , केसरि आड़ गुरु ।
6. तंत्री- नाद , कवित-रस , सरस राग , रति-रंग ।
7. या अनुरागी चित्त की गति समुझौ नहिं कोइ।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

8. बसै बुराई जासु तन, ताहि कौ सनमानु।
9. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
10. कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ।

घनानन्द : धनानंद कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , संजय बुक सेंटर , वाराणसी

1. रावरे रूप की रीति अनूप।
2. लाजनि लपेटि चितवनि भेद-भाम भरी।
3. हीन भएँ जल मीन अधीन।
4. मीत सुजान अनीत करौ जिन
5. अति सूधो सनेह को मारग है।

रसखान : रसखान रचनावली , सं विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , सत्यदेव मिश्र , वाणी प्रकाशन

1. मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
2. या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहुँ पुर को तजि डारौं।
3. धूर भरे अति शोभित स्याम जू तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
4. सेस गनेस महेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावैं।

MJ-4: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान **Credits 04**

MJ-4T: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान **Full Marks: 75**

Course Contents:

1. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
2. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
3. स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण।
4. रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद) , पद विभाग -- नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
5. वाक्य विज्ञान -- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
6. अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ के संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
7. अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
8. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।
9. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

MJ-5: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) **Credits 04**

MJ-5T: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) **Full Marks: 75**

Course Contents:

भारतेन्दु : होली , निजभाषा उन्नति अहै , भारत-दुर्दशा (गीत) ।
अयोध्यासिंह उपाध्यय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग) , प्रार्थना ।

मैथलीशरण गुप्त : किसान , कैकयी का अनुताप , महाभिनिष्क्रमण ।
रामनरेश त्रिपाठी : आगे बड़े चलेंगे , वह देश कौन सा है , कामना ।

जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तृंग श्रग से , आत्मकथा ।
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : तोड़ती पत्थर , भिक्षुक , स्नेह निझर बह गया ।

सुमित्रा नन्दन पंत : परिवर्तन , भारतमाता ग्रामवासनी, द्रुत झरो जगत के जीर्ण-पत्र।
महादेवी वर्मा : बिन भी हूँ मैं तुम्हारी रागनि भी हूँ , मैं नीर भरी दुख की बदली , विरह का जलजात जीवन

MJ-6: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य **Credits 04**

MJ-6T: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य **Full Marks: 75**

Course Contents:

नाटक

अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र
ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश
माधवी - भीष्म साहनी

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात	- रामकुमार वर्मा
दीपदान	- रामकुमार वर्मा
और वह जा न सकी	- विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा	- जगदीशचंद्र माथुर

MJ-7: कथा-साहित्य **Credits 04**

MJ-7T: कथा-साहित्य **Full Marks: 75**

Course Contents:

हिन्दी उपन्यास

- त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार
- मानस का हंस - अमृतलाल नागर
- महाभोज -मन्नू भंडारी

हिन्दी कहानी

- उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात - प्रेमचंद
- आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत - सुदर्शन
- पाजेब - जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
- परिंदे - निर्मल वर्मा
- सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
- पिता - ज्ञानरंजन

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

MINOR (MI)

MI-3: सम्पादन प्रक्रिया और साज - सज्जा **Credits 04**

MI-3T: सम्पादन प्रक्रिया और साज - सज्जा **Full Marks: 75**

Course Contents:

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत।

संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव। समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।

साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी) पत्रिका की साज-सज्जा, रंग-संयोजन।

MI-4: छायावाद **Credits 04**

MI-4T: छायावाद **Full Marks: 75**

Content/ Syllabus:

छायावाद सामान्य परिचय कवि एवं रचनाएँ

जयशंकर प्रसाद

1 . हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
2. तुमुल कोलाहल कलह में

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

3. कौन तुम संसृति जल निधि तीर

4. मेरे नाविक

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. भारती वंदना

2. बादल राग-1

3. स्नेह निर्झर बह गया

4. गहन है यह अंधकारा

सुमित्रानंदन पंत

1. नौका विहार

2. ताज

3. द्रुत झरो

4. आ धरती कितना देती है

महादेवी वर्मा

1. धीरे-धीरे उतर क्षितिज से

2. मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

3. पंथ होने दो अपरिचित

4. मैं नीर भरी दुःख की बदली

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

SEC 3: सर्जनात्मक लेखन **Credits 03**

SEC3P: सर्जनात्मक लेखन **Full Marks: 50**

Content/ Syllabus:

1. **रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।**
2. **फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबद्ध विषयों पर फीचर लेखन।**
3. **साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।**
4. **स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ,**
5. **समाचार, पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और**
6. **मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।**
7. **दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबंधित लेखन।**
8. **बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।**
9. **आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।**

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

AEC –04: MIL (Hindi) – 2 हिंदी भाषा और संप्रेषण **Credits 02 Marks: 50**

Course Content:

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं प्रवृधि।
2. हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय।
3. हिंदी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
4. हिंदी की वर्ण व्यवस्था : ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
5. भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
6. हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य भेद, वाक्य का रूपांतर।
7. भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन,
8. विविध प्रकार के पत्र लेखन।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 21 Jan 2026 13:08:04 PM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=230